11 देशों को निर्यात होंगे कानपुर में बने पैराशूट

विवेक मिश्र ● जागरण

- रक्षा मंत्रालय के पीएसयू ग्लाइडर्स इंडिया लिमिटेड कंपनी के कानपुर स्थित ओपीएफ में होगा उत्पादन
- जीआइएल की एक्सपोर्ट सेल वैश्विक स्तर पर भारतीय उत्पादों की सप्लाई के लिए तलाश रही संभावनाएं

ब्रेक पैराशूट का प्रोटोटाइप। सौ. : ओपीएफ

कानपुर : आयुध पैराशूट फैक्ट्री (ओपीएफ) में निर्मित पैराशूट विदेश में भी धाक जमा रहे हैं। रक्षा मंत्रालय के पीएसयू ग्लाइडर्स इंडिया लिमिटेड (जीआइएल) की उत्पादन इकाई ओपीएफ उन्नत पैराशूट निर्यात करने के लिए तैयार है। ओपीएफ द्वारा आत्मनिर्भर भारत मुहिम के तहत निर्मित विभिन्न श्रेणियों में पैराशूट अलग-अलग डिफेंस एक्सपो में प्रदर्शित किए गए। दक्षिण कोरिया, दक्षिण अफ्रीका, इंडोनेशिया, केन्या, वियतनाम, नेपाल, संयुक्त राज्य अमेरिका, गुयाना, मलेशिया, तंजानिया आदि 11 देशों के रक्षा अधिकारियों को पैराशूट पसंद आए हैं। जल्द निर्यात आर्डर फाइनल होते ही ओपीएफ में उत्पादन कार्य शुरू होगा। ओपीएफ को सुखोई, जगुआर, मिग, तेजस जैसे युद्धक विमानों के पैराशूट बनाने की महारत हासिल है।

आयुध निर्माणी के निगमीकरण के बाद आयुध अफसरों को वैश्विक रक्षा क्षेत्र में डिफेंस एक्सपो में जाकर मेक इन इंडिया का प्रचार-प्रसार की छूट मिली। ओपीएफ के विशेषज्ञों ने बदलते समय के साथ आधुनिक पैराशूट के अनुसंधान व विकास पर फोकस बढ़ाया। निगम में तब्दील होने के बाद महज चार साल के अंतराल में जीआइएल ने कैंट स्थित ओपीएफ में मैन कैरिंग पैराशूट, ब्रेक पैराशूट, पायलट पैराशूट, सप्लाई ड्राप पैराशूट, पैरासेल, ड्रोन रेस्क्यू पैराशूट, पैराशूट रिकवरी सिस्टम, स्मार्ट पैराशूट सिस्टम पर अनुसंधान कर विकसित किया। अब ये पैराशूट वैश्विक रक्षा क्षेत्र में हर कसौटी पर खरे उतरने को तैयार हैं। वहीं, ओपीएफ के पास पहले से लड़ाकू विमान सुखोई, जगुआर, मिराज, मिग 21 और मिग 29, तेजस, पी सेवन हैवी ड्राप पैराशूट, गजराज 2 पैराशूट बनाने की तकनीक है।

पायलट पैराशूट का प्रोटोटाइप। सौ. : ओपीएफ

कानपुर में बने पैराशूट सेना को आपूर्त किए जा रहे हैं। मलेशिया को पैराशूट निर्यात हो रहा है। करीब 11 देशों में भारतीय पैराशूट के निर्यात के लिए एक्सपोर्ट सेल लगातार वार्ता कर रही है। डिफेंस एक्सपो के जरिये भी विभिन्न देशों से अच्छा रिस्पांस मिला है। प्रबल संभावना है कि इस साल के अंत तक बड़ी संख्या में पैराशूट निर्यात आर्डर मिलेंगे।

– एमसी बालासुब्रमणियम, सीएमडी, ग्लाइडर्स इंडिया लिमिटेड कंपनी

आपात स्थिति में पायलट की सुरक्षित लैंडिंग कराएगा पायलट पैराशूट सिस्टम : डीआरडीओ की इकाई एरियल डिलीवरी रिसर्च एंड डेवलपमेंट एस्टेब्लिशमेंट (एडीआरडीई) के इंजीनियरों ने पायलट पैराशूट सिस्टम का डिजाइन तैयार किया है। ये पैराशूट सिस्टम तेजस जैसे लड़ाकू विमानों को उड़ाने वाले फाइटर पायलटों की आपात स्थिति में सुरक्षित लैंडिंग करा सकेगा।